



सरकारी गजट, उत्तराखण्ड

उत्तराखण्ड सरकार द्वारा प्रकाशित

रुड़की

खण्ड-17] रुड़की, शनिवार, दिनांक 29 अक्टूबर, 2016 ई0 (कार्तिक 07, 1938 शक सम्वत्) [संख्या-44

विषय-सूची

प्रत्येक भाग के पृष्ठ अलग-अलग दिये गए हैं, जिससे उनके अलग-अलग खण्ड बन सकें

विषय	पृष्ठ संख्या	वार्षिक चन्दा
		रु0
सम्पूर्ण गजट का मूल्य ...	—	3075
भाग 1-विज्ञप्ति-अवकाश, नियुक्ति, स्थान-नियुक्ति, स्थानान्तरण, अधिकार और दूसरे वैयक्तिक नोटिस ...	503-524	1500
भाग 1-क-नियम, कार्य-विधियां, आज्ञाएं, विज्ञप्तियां इत्यादि जिनको उत्तराखण्ड के राज्यपाल महोदय, विभिन्न विभागों के अध्यक्ष तथा राजस्व परिषद् ने जारी किया ...	715-717	1500
भाग 2-आज्ञाएं, विज्ञप्तियां, नियम और नियम विधान, जिनको केन्द्रीय सरकार और अन्य राज्यों की सरकारों ने जारी किया, हाई कोर्ट की विज्ञप्तियां, भारत सरकार के गजट और दूसरे राज्यों के गजटों के उद्धरण ...	—	975
भाग 3-स्वायत्त शासन विभाग का क्रोड़-पत्र, नगर प्रशासन, नोटीफाइड एरिया, टाउन एरिया एवं निर्वाचन (स्थानीय निकाय) तथा पंचायतीराज आदि के निदेश जिन्हें विभिन्न आयुक्तों अथवा जिलाधिकारियों ने जारी किया ...	—	975
भाग 4-निदेशक, शिक्षा विभाग, उत्तराखण्ड ...	—	975
भाग 5-एकाउन्टेन्ट जनरल, उत्तराखण्ड ...	—	975
भाग 6-बिल, जो भारतीय संसद में प्रस्तुत किए गए या प्रस्तुत किए जाने से पहले प्रकाशित किए गए तथा सिलेक्ट कमेटियों की रिपोर्ट ...	—	975
भाग 7-इलेक्शन कमीशन ऑफ इण्डिया की अनुविहित तथा अन्य निर्वाचन सम्बन्धी विज्ञप्तियां ...	—	975
भाग 8-सूचना एवं अन्य वैयक्तिक विज्ञापन आदि ...	235	975
स्टोर्स पर्वेज-स्टोर्स पर्वेज विभाग का क्रोड़-पत्र आदि ...	—	1425

भाग 1

विज्ञप्ति-अवकाश, नियुक्ति, स्थान-नियुक्ति, स्थानान्तरण, अधिकार और दूसरे वैयक्तिक नोटिस

ऊर्जा अनुभाग-01

अधिसूचना

10 अक्टूबर, 2016 ई०

संख्या 742/1/2016-01(03)/10/2003-श्री राज्यपाल महोदय, विद्युत अधिनियम, 2003 (2003 का केन्द्रीय अधिनियम संख्या 36) की धारा 180 की उपधारा (1) के साथ पठित केन्द्रीय विद्युत प्राधिकरण (सुरक्षा तथा विद्युत आपूर्ति सम्बन्धी उपाय) विनियम, 2010 के विनियम 3 एवं विनियम 29 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करके और प्रस्तुत विषय पर विद्यमान सभी नियमों एवं आदेशों का अधिक्रमण करते हुए विद्युत ठेकेदारों को लाइसेन्स दिये जाने हेतु निम्नलिखित विनियम एवं शर्तें बनाते हैं:-

विद्युत ठेकेदारों को लाइसेन्स दिये जाने के लिए विनियम एवं शर्तें, 2016

- | | |
|-------------------------------------|--|
| संक्षिप्त नाम, विस्तार एवं प्रारम्भ | <p>1 (1) इन विनियमों का संक्षिप्त नाम विद्युत ठेकेदारों को लाइसेन्स दिये जाने के लिए विनियम एवं शर्तें, 2016 है।</p> <p>(2) यह तुरन्त प्रवृत्त होगा।</p> <p>(3) इसका विस्तार सम्पूर्ण उत्तराखण्ड राज्य में होगा।</p> |
| उद्देश्य | <p>2. ये शर्तें विद्युत ठेकेदारों को केन्द्रीय विद्युत प्राधिकरण (सुरक्षा तथा विद्युत आपूर्ति सम्बन्धी उपाय) विनियम, 2010 के विनियम 29 के प्राविधानों के अन्तर्गत विद्युत अधिष्ठापन का कार्य करने के लिए लाइसेन्स देने एवं नवीनीकरण किये जाने को नियंत्रित करती है।</p> |
| लाइसेन्स के प्रकार | <p>3. विद्युत ठेकेदारों के लाइसेन्स तीन श्रेणी 'ए', 'बी' (स्कोप एमवी और स्कोप एचवी) एवं 'सी' में होंगे जो कि उत्तराखण्ड सरकार के विद्युत निरीक्षक द्वारा प्रपत्र सी2, सी3, एवं सी4 में जारी किये जायेंगे तथा उनमें छपी हुयी शर्तों के अधीन होंगे।</p> |
| अधिकार | <p>4. 'ए' श्रेणी लाइसेन्सधारक ठेकेदार सम्पूर्ण राज्य में निम्न, मध्यम, उच्च एवं अति उच्च विभव के विद्युत अधिष्ठापन कार्यों को करने हेतु अर्ह होगा। ठेकेदार जिसके पास 'बी' श्रेणी का लाइसेन्स स्कोप एमवी के साथ है, वह निम्न और मध्यम विभव (अधिकतम 650 वोल्ट तक) के विद्युत अधिष्ठापन कार्यों को सम्पूर्ण राज्य में कर सकेगा और स्कोप एचवी के साथ 'बी' श्रेणी का लाइसेन्स धारक ठेकेदार सम्पूर्ण राज्य में निम्न, मध्यम एवं उच्च विभव (अधिकतम 11000 वोल्ट तक) के विद्युत अधिष्ठापन कार्यों को करने हेतु अर्ह होगा। 'सी' श्रेणी लाइसेन्सधारक ठेकेदार उस जिले में, जिसके लिए उसे लाइसेन्स प्रदान किया गया है केवल निम्न विभव (अधिकतम 250 वोल्ट तक) के विद्युत अधिष्ठापन कार्यों को करने हेतु अर्ह होगा।</p> |

आवश्यकतायें

5. प्रत्येक श्रेणी के लाइसेन्स के लिए टर्नओवर/स्टॉक एवं स्टाफ आदि की न्यूनतम आवश्यकताएं निम्न प्रकार होंगी :-

श्रेणी	टर्नओवर/स्टॉक	स्टाफ	टूल्स एवं उपकरण
"ए"	इंरेक्शन/वायरिंग सामग्री एवं उपसाधन का स्टॉक/टर्नओवर न्यूनतम रु0 3,00,000	जब कार्य केवल एक ही जिले में किया जाना हो तो एक ए श्रेणी सक्षमता प्रमाण पत्र धारक पर्यवेक्षक एवं दो वर्कमैन, जिनको उत्तराखण्ड सरकार के विद्युत निरीक्षक द्वारा ए श्रेणी का परमिट प्रदान किया गया हो, होना आवश्यक है, यदि कार्य एकसाथ एक से अधिक जिलों में किया जाना हो तो प्रत्येक जिले के लिए एक अतिरिक्त ए श्रेणी परमिट धारक वर्कमैन को नियुक्त किया जाना होगा। आवेदनकर्ता अथवा पर्यवेक्षक को उच्च विभव विद्युत कार्यों के संचालन/इंरेक्शन में पर्याप्त ज्ञान होना चाहिए।	<p>1. इन्सुलेशन टेस्टर (क) 5000 वोल्ट अथवा 2500 वोल्ट (ख) 1000 वोल्ट (ग) 500 वोल्ट</p> <p>2. (क) पोर्टेबल वोल्टमीटर, एसी /डीसी रेंज 0-600 वोल्ट (ख) पोर्टेबल अमीटर, एसी /डीसी रेंज 0-60 एम्पीयर अथवा टॉग टैस्टर- 0-600 वोल्ट 0-500 एम्पीयर</p> <p>3. अर्थ टैस्टर टैस्टिंग उपसाधन सहित</p> <p>4. फेज सीक्वेन्स मीटर</p> <p>सेफ्टी टूल्स और उपकरण (क) रबर के दस्ताने 15 क्वी (इलेक्ट्रिक ग्रेड) तक टेस्ट किये हुए। (ख) वायरगेज अथवा माइक्रोमीटर (ग) सेफ्टी बेल्ट (घ) क्रम्पिंग टूल (च) टार्क रेन्च स्पैनर (छ) चेन पुल्ली (ज) एक नम्बर नियोन टेस्टर /फेजिंग रॉड (झ) अर्थिंग रॉड।</p>
'बी' स्कोप एम वी	इंरेक्शन/वायरिंग सामग्री एवं उपसाधन का स्टॉक/टर्नओवर न्यूनतम रु0 50,000	जब कार्य केवल एक ही जिले में किया जाना हो तो एक सक्षमता प्रमाण पत्र धारक पर्यवेक्षक एवं एक वर्कमैन, जिनको उत्तराखण्ड सरकार के विद्युत निरीक्षक द्वारा परमिट प्रदान किया गया हो, होना आवश्यक है, यदि कार्य एकसाथ एक से अधिक जिलों में किया जाना हो तो प्रत्येक जिले के लिए एक अतिरिक्त	<p>1. इन्सुलेशन टेस्टर 500 वोल्ट।</p> <p>2. (क) पोर्टेबल वोल्टमीटर, एसी /डीसी रेंज 0-600 वोल्ट (ख) पोर्टेबल अमीटर, एसी /डीसी रेंज 0-60 एम्पीयर अथवा टॉग टैस्टर 0-600</p>

		परमिट धारक वर्कमैन को नियुक्त किया जाना होगा।	वोल्ट 0-100 एम्पीयर अर्थ टैस्टर टैस्टिंग उपसाधन सहित 3.
"बी" स्कोप एच वी	इरेक्शन/वायरिंग सामग्री एवं उपसाधन का स्टॉक/टर्नओवर न्यूनतम रू0 2,00,000	जब कार्य केवल एक ही जिले में किया जाना हो तो एक 'ए' श्रेणी सक्षमता प्रमाण पत्र धारक पर्यवेक्षक एवं दो वर्कमैन, जिनमें से कम से कम एक 'ए' श्रेणी परमिटधारक हो, होना आवश्यक है, यदि कार्य एकसाथ एक से अधिक जिलों में किया जाना हो तो प्रत्येक जिले के लिए एक अतिरिक्त 'ए' श्रेणी परमिटधारक वर्कमैन को नियुक्त किया जाना होगा।	1. इन्सुलेशन टैस्टर (क) 2500 वोल्ट (ख) 500 वोल्ट 2. (क) पोर्टेबल वोल्टमीटर, एसी /डीसी रेंज 0-600 वोल्ट (ख) पोर्टेबल अमीटर, एसी /डीसी रेंज 0-60 एम्पीयर अथवा टॉग टैस्टर- 0-600 वोल्ट 0-500 एम्पीयर 3. अर्थ टैस्टर टैस्टिंग उपसाधन सहित 4. फेज सीक्वेन्स मीटर सेफ्टी टूल्स और उपकरण (क) 15 केंवी (इलक्ट्रिकल ग्रेड) टेस्टेड रबर के दस्ताने। (ख) सेफ्टी बेल्ट (ग) टॉर्क रेन्च स्पैनर (घ) क्रम्पिंग टूल (च) चैन पुल्ली (छ) क नम्बर नियोन टेस्टर /फेजिंग रॉड (ज) अर्थिंग रॉड।
"सी"	शून्य	एक वर्कमैन जिसके पास उत्तराखण्ड सरकार के विद्युत निरीक्षक द्वारा जारी किया गया न्यूनतम 'बी' श्रेणी परमिट हो।	इन्सुलेशन टैस्टर 500 वोल्ट

नोट :-

- (क) स्टॉक के मूल्यांकन में केवल वहीं सामग्री और उपसाधन जो कि भारतीय मानकों के अनुरूप हों, जहाँ भी ऐसे मानक हैं अथवा मानक न होने की दशा में ऐसी सामग्री जो उत्तराखण्ड सरकार के विद्युत निरीक्षक द्वारा अनुमोदित हो विचार की जायेगी।
- (ख) यदि ठेकेदार के पास स्वयं का सक्षमता प्रमाण पत्र हो तो उसे किसी पर्यवेक्षक को नियुक्त करने की आवश्यकता नहीं है यदि वह सीधे कार्य का पर्यवेक्षण स्वयं कर सकता है। परन्तु

यदि वह स्वयं एक वर्क मैन परमिटधारक है तब भी उसे कार्य सम्पादन के लिए आवश्यक संख्या में परमिट धारकों को नियुक्त करना होगा। (सी श्रेणी के लाइसेंस धारक की स्थिति में जहाँ कि ठेकेदार को जिसके पास वर्कमैन का परमिट है, अतिरिक्त परमिट धारकों को नियुक्त करने की आवश्यकता नहीं है।) किसी ठेकेदार को लाइसेन्स प्राप्त करने हेतु सक्षमता प्रमाण पत्र धारक पर्यवेक्षक और परमिटधारक वर्कमैन की नियुक्ति से छूट तभी प्रदान की जाएगी जब ठेकेदार के पास समकक्ष योग्यता धारक स्टाफ नियुक्त हो और लाइसेन्स प्राप्ति के तीन माह की अवधि के भीतर ठेकेदार को ऐसे स्टाफ के प्रमाणपत्र एवं परमिट जैसी भी स्थिति हो प्राप्त करने होंगे। परन्तु इस अवधि के दौरान ठेकेदार द्वारा किसी भी प्रकार के विद्युत अधिष्ठापन के कार्यपूरक प्रमाण जारी नहीं किये जा सकेंगे।

(ग) उत्तराखण्ड सरकार का विद्युत निरीक्षक, आवश्यक परिस्थिति में, मैगर के अतिरिक्त अन्य टैस्टिंग उपकरणों में छूट प्रदान कर सकता है।

(घ) ठेकेदार को 'ए' श्रेणी का लाइसेंस तभी दिया जायेगा जबकि ठेकेदार अथवा नियुक्त सुपरवाइजर को उच्च विभव के संचालन/इंरेक्शन, प्रोटेक्शन एवं सुरक्षा मानकों का पर्याप्त ज्ञान हो, जो कि अनुभव प्रमाण पत्रों/कार्यपूरक प्रमाण पत्रों के साथ सम्पादित किये गये कार्यों के विवरण और/या व्यावहारिक और/या मौखिक परीक्षण के आधार पर दिया जाएगा।

विद्युत ठेकेदारों को लाइसेन्स प्रदान करने की सामान्य शर्तें

6. (1) आवेदक को लाइसेन्स निम्नलिखित शर्तों को पूरा करने पर प्रदान किया जायेगा :-

(क) आवेदक भारत का नागरिक होना आवश्यक है।

(ख) आवेदन की तिथि को आवेदक की आयु 21 वर्ष पूर्ण होनी चाहिए तथा वह कक्षा आठ उत्तीर्ण होना चाहिए।

(ग) यदि लाइसेन्स का आवेदन किसी पार्टनरशिप फर्म के लिए किया गया है तो फर्म रजिस्ट्रार कार्यालय में पंजीकृत होनी चाहिए और यदि लाइसेन्स का आवेदन किसी रजिस्टर्ड कम्पनी द्वारा किया गया है तो कम्पनी को कम्पनी रजिस्ट्रार के यहाँ पंजीकृत होना चाहिए। पार्टनरशिप फर्म की स्थिति में फर्म के सभी पार्टनर एवं रजिस्टर्ड कम्पनी की स्थिति में कम से कम दो तिहाई निदेशकों द्वारा प्रस्ताव कर अधिकृत हस्ताक्षरकर्ता को आवेदन, कार्यपूरक प्रमाणपत्र आदि में हस्ताक्षर किये जाने हेतु प्राधिकार पत्र जारी किया जा सकता है। प्राधिकार पत्र सौ रुपये के स्टाम्प पेपर पर होगा।

(2) परन्तु निम्न को लाइसेन्स प्रदान नहीं किया जाएगा :-

(क) ऐसे व्यक्ति को, जिसके पास विद्युत निरीक्षक, उत्तराखण्ड शासन द्वारा जारी सक्षमता प्रमाणपत्र अथवा वर्कमैन परमिट है परन्तु वह किसी विद्युत ठेकेदार, सरकारी विभाग, स्थानीय निकाय, किसी शैक्षिक या

तकनीक संस्थान, किसी अन्य व्यक्ति अथवा कम्पनी के अन्तर्गत सेवारत है, को तब तक लाइसेन्स नहीं दिया जा सकता जब तक वह अपने नियोक्ता की सेवा छोड़कर स्वतन्त्र रूप से कार्य नहीं करता।

(ख) कोई व्यक्ति अथवा कम्पनी जिसका लाइसेन्स, नये लाइसेन्स के आवेदन करने की तारीख से तीन वर्ष पूर्व की अवधि के भीतर निरस्त किया गया था। परन्तु यदि विद्युत निरीक्षक की राय में लाइसेन्स के निरस्तीकरण का कारण गम्भीर न होकर तकनीकी है, तो विद्युत निरीक्षक द्वारा अपने विवेक पर आवेदक द्वारा रु० 1500 के अतिरिक्त शुल्क के भुगतान किये जाने पर नया लाइसेन्स प्रदान किया जा सकता है।

(3) पूर्व अधिसूचना और आदेशों के अन्तर्गत जारी किए गए विद्युत ठेकेदारी लाइसेन्स का नवकरण इस अधिसूचना के जारी होने की तारीख से अधिकतम दो वर्षों तक उन्हीं शर्तों के अधीन किया जा सकेगा जिनके अन्तर्गत वे जारी किये गये थे एवं उसके पश्चात् उन लाइसेन्सों का नवीकरण इस अधिसूचना में विहित शर्तों के अधीन होगा। इसके पश्चात् ऐसे सभी लाइसेन्स धारकों को अपने लाइसेन्स को इन शर्तों में विहित श्रेणियों में परिवर्तित किया जाना होगा।

(4) पर्यवेक्षक श्रेणी ए एवं वर्कमैन श्रेणी ए को नियुक्त किये जाने की छूट इस अधिसूचना के जारी होने के दिनांक से दो वर्षों की अवधि के लिए प्रदान की जायेगी और छूट की अवधि में पर्यवेक्षक श्रेणी ए के स्थान पर पर्यवेक्षक और वर्कमैन श्रेणी ए के स्थान पर वायरमैन स्वीकार होंगे।

लाइसेन्स हेतु
आवेदन

7. लाइसेन्स प्राप्त करने हेतु विद्युत निरीक्षक को प्रपत्र सी 1 में आवेदन किया जाएगा। प्रत्येक आवेदन के साथ निम्न होने चाहिए :-

- (1) विनियम-10 के अन्तर्गत कोषागार में जमा किये गये आवश्यक शुल्क का मूल चालान।
- (2) दो हस्ताक्षर एवं दो पासपोर्ट आकार की फोटो (2.5 सेमी x 3.5 सेमी), जिसमें आवेदक का चेहरा एवं दोनों कान स्पष्ट दिखायी दें। हस्ताक्षर एवं फोटो विद्युत निरीक्षक के कार्यालय के अधिकारी अथवा नोटरी द्वारा अभिप्रमाणित होने चाहिए।
- (3) किसी भी प्रकार का फोटो पहचान पत्र जैसे राशन कार्ड, पासपोर्ट, वोटर आईडी कार्ड, ड्राइविंग लाइसेन्स, आधार कार्ड आदि।
- (4) व्यवसाय के पते का प्रमाण पत्र जैसे किरायानामा की प्रति के साथ टैक्स भुगतान की नवीनतम रसीद अथवा नोटरी किया हुआ शपथ पत्र।

- (5) यदि लाइसेन्स पार्टनरशिप फर्म के लिए लिया जा रहा है तो रजिस्टर्ड पार्टनरशिप डीड तथा फर्म रजिस्ट्रार द्वारा प्रदान किया गया रजिस्ट्रेशन प्रमाण पत्र। यदि लाइसेन्स रजिस्टर्ड कम्पनी के लिए लिया जा रहा है तो कम्पनीज रजिस्ट्रार द्वारा अनुमोदित एसोसिएशन का मैमोरेण्डम और आर्टिकल की प्रति तथा पार्टनरशिप फर्म अथवा कम्पनी, जैसा भी लागू हो, द्वारा अधिकृत हस्ताक्षरकर्ता को जारी मूल प्राधिकार पत्र।
- (6) परीक्षण यंत्रों, सेप्टी टूल्स और उपकरणों के खरीद की रसीद की प्रतियां अथवा टेस्ट/कैलिब्रेशन प्रमाण पत्र।
- (7) आयु के प्रमाणपत्र के साथ शैक्षिक प्रमाणपत्रों की प्रतियां।
- (8) 'ए' श्रेणी लाइसेन्स हेतु किये गये कार्यों का विवरण एवं अति उच्च/उच्चविभव कार्यों के कार्यपूरक प्रमाणपत्र एवं व्यापार/सेवा कर रजिस्ट्रेशन प्रमाणपत्रों की प्रतियां।
- (9) पर्यवेक्षकों एवं वर्कमैन से प्राप्त सहमति पत्र।

लाइसेन्स जारी करना

8. विद्युत निरीक्षक द्वारा स्वयं अथवा उसके प्रतिनिधियों द्वारा निरीक्षण के उपरान्त यह संतुष्टि होने पर कि इन शर्तों के अधीन आवश्यकताओं को पूरा कर लिया गया है लाइसेन्स जारी किया जाएगा। यदि किन्हीं कारणों से आवेदन प्राप्ति के एक माह तक निरीक्षण सम्भव नहीं है, तो विद्युत निरीक्षक द्वारा अपने विवेक से लाइसेन्स शुल्क प्राप्ति पर एक अस्थायी लाइसेन्स प्रदान किया जा सकेगा जो कि निरीक्षण के परिणाम के आधार पर जारी अथवा निरस्त किया जा सकेगा।

लाइसेन्स की श्रेणी में परिवर्तन

9. 'सी' श्रेणी से 'बी' श्रेणी स्कोप एमवी, 'बी' श्रेणी स्कोप एमवी से 'बी' श्रेणी स्कोप एचवी और 'बी' श्रेणी स्कोप एचवी से 'ए' श्रेणी में परिवर्तित करने के लिए आवेदन लाइसेन्स की वैधता अवधि के दौरान नई श्रेणी हेतु विहित शुल्क जमा करने पर किया जा सकता है। यदि आवेदन करने के 30 दिन के अन्दर निरीक्षण सम्भव नहीं हो पाया है, विद्युत निरीक्षक अपने विवेक पर अस्थायी लाइसेन्स जारी कर सकता है जो कि निरीक्षण के परिणाम के आधार पर जारी अथवा निरस्त किया जा सकेगा।

लाइसेन्स का नवीकरण

10. इन विनियमों के अधीन जारी प्रत्येक विद्युत ठेकेदारी लाइसेन्स का लाइसेन्सधारक के अनुरोध पर वार्षिक रूप से नवीकरण किया जायेगा, जो कि निम्नलिखित शर्तों को पूरा करने पर ही होगा :-

- (1) (क) लाइसेन्स एवं जमा किये गये आवश्यक नवीकरण शुल्क का ट्रेजरी चालान, प्रपत्र सी 5 में आवेदन के साथ, लाइसेन्स समाप्ति की तिथि से 03 माह पूर्व परन्तु 06 माह पूर्व से पहले नहीं, विद्युत निरीक्षक के पास जमा किया जाना चाहिए।

(ख) यदि कोई ठेकेदार ऐसा करने में असफल रहता है तो नवीकरण शुल्क के अतिरिक्त विनियम 10 में निर्धारित विलम्ब शुल्क जमा किये जाने पर विद्युत निरीक्षक द्वारा उसका आवेदन स्वीकार किया जा सकता है बशर्ते कि आवेदन, लाइसेन्स और ट्रेजरी चालान, लाइसेन्स की समाप्ति की तिथि से 30 दिन के भीतर विद्युत निरीक्षक कार्यालय में पहुँच जाना चाहिए। अंतिम तिथि के पश्चात प्राप्त आवेदन निरस्त किये जायेंगे एवं शुल्क जब कर लिया जायेगा।

(2) सभी प्राप्त आवेदनों का परीक्षण किया जायेगा। यदि आवेदन इन नियमों के अनुरूप पूर्ण नहीं किये गये होंगे तो आवेदक को न्यूनतम 15 दिनों का समय देते हुए इन शर्तों को पूरे किये जाने हेतु सूचित किया जाएगा। यदि आवेदन समय सीमा के भीतर पुनः जमा नहीं किये गये, समय सीमा के बाद भेजे गये अथवा अपूर्ण रूप से भेजे गये तो आवेदन निरस्त किये जायेंगे एवं शुल्क जब कर लिया जायेगा।

(3) विद्युत ठेकेदार, विद्युत निरीक्षक अथवा उनके प्रतिनिधियों के सम्मुख, निरीक्षण हेतु निम्नलिखित को प्रस्तुत करेगा:-

(क) स्टाफ द्वारा सहमति पत्र।

(ख) स्टॉक लिस्ट के आधार पर वैल्युएशन/ऑडिटर रिपोर्ट।

(ग) ठेका रजिस्टर, प्रपत्र सी 7 में।

(घ) स्टाफ का रजिस्टर।

(च) उपकरण/टूल्स। (अथवा टैस्ट या कैलिब्रेशन रिपोर्ट प्रस्तुत की जाएगी)

निरीक्षण की तिथि ठेकेदारों को कम से कम 15 दिन पहले सूचित की जायेगी। परन्तु यदि कोई ठेकेदार अपने नवीकरण के आवेदन की प्राप्ति के एक माह तक निरीक्षण की सूचना प्राप्त नहीं कर पाता है तो वह उपकरण/टूल्स (अथवा टैस्ट या कैलिब्रेशन रिपोर्ट) के साथ इन शर्तों में आवश्यक विवरण, रिकॉर्ड को निरीक्षण के लिए विद्युत निरीक्षक के कार्यालय में प्रस्तुत कर सकता है।

परन्तु, लाइसेन्स की समाप्ति के दिनांक से दो माह के पश्चात् नवीकरण हेतु कोई निरीक्षण नहीं किया जाएगा।

शुल्क

11. इन शर्तों के लिए निम्नलिखित शुल्क देय होगा :-

विवरण	श्रेणी 'सी'	श्रेणी 'बी' स्कोप एमवी	श्रेणी 'बी' स्कोप एचवी	श्रेणी 'ए'
लाइसेन्स शुल्क	₹ 2000	₹ 2500	₹ 4000	₹ 5000
ठेकेदारों के रिकार्ड्स/स्टॉक/परिसर आदि के निरीक्षण के लिए शुल्क, चाहे प्रारम्भिक/उत्तरवर्ती/वार्षिक अथवा ठेकेदार के अनुरोध पर है।	₹ 500	₹ 1000	₹ 2000	₹ 2500
नवीकरण शुल्क	₹ 500	₹ 500	₹ 500	₹ 500
प्रत्येक सप्ताह अथवा उसके भाग के लिए विलम्ब शुल्क	₹ 70	₹ 80	₹ 150	₹ 175
विवाद को निपटाने का शुल्क	₹ 500	₹ 1000	₹ 1500	₹ 2000
अपील करने का शुल्क	₹ 2000	₹ 2000	₹ 2000	₹ 2000
लाइसेन्स की द्वितीय प्रति के लिए शुल्क	₹ 600	₹ 600	₹ 600	₹ 600

सरकार द्वारा समय समय पर शुल्क को संशोधित किया जा सकेगा।

नोट :- सभी शुल्कों का अग्रिम भुगतान किया जायेगा। शुल्क, उपयुक्त लेखा शीर्षक के अन्तर्गत भारतीय स्टेट बैंक में, जहां स्टेट बैंक की कोई शाखा नहीं है वहां राजकीय कोषागार में जमा किया जायेगा। शुल्क जमा करने के लिए प्रपत्र उत्तराखण्ड सरकार के विद्युत निरीक्षक अथवा सहायक विद्युत निरीक्षक के जोनल कार्यालयों से प्राप्त किये जा सकते हैं। सामान्यतया किसी प्रकार का शुल्क वापस नहीं किया जायेगा परन्तु यदि कहीं आवश्यक हुआ तो सरकार किसी परिस्थिति में शिथिलता प्रदान कर सकती है।

लाइसेन्सधारकों द्वारा पालन की जाने वाली शर्तें

- 12.** प्रत्येक लाइसेन्सधारक विद्युत अधिनियम 2003, उसके अन्तर्गत बनाए गए नियम एवं विनियम, केन्द्रीय विद्युत प्राधिकरण (सुरक्षा तथा विद्युत आपूर्ति सम्बन्धी उपाय) विनियम, 2010 एवं इन विनियमों का पालन करेगा तथा विद्युत निरीक्षक के अधिकारियों या आपूर्तिकर्ता के किसी प्राधिकारी जिसके अधिकार क्षेत्र में कार्य किया जा रहा है, के मांगे जाने पर अपने लाइसेन्स को प्रस्तुत करेगा, साथ ही निम्न शर्तों का पालन करेगा:-

- (1) ठेकेदार निम्नलिखित रिटर्नस तथा सूचनाएं विद्युत निरीक्षक, उत्तराखण्ड शासन को देगा:-

- (क) अर्द्धवार्षिक रिटर्न जो कि प्रत्येक वर्ष में दो बार, 15 जुलाई तथा 15 जनवरी से पूर्व प्रपत्र सी 6 में जमा करना होगा।
- (ख) यदि स्टाफ में कोई परिवर्तन हो तो परिवर्तनहोने की तिथि से 15 दिनों के भीतर उसकी सूचना देनी होगी।
- (2) ठेकेदार द्वारा एक रजिस्टर अनुरक्षित किया जाएगा जिसमें कार्यरत पर्यवेक्षक/पर्यवेक्षकों, वर्कमैन और प्रशिक्षुओं की सूचना होगी और जिसे निरीक्षण के समय निरीक्षण अधिकारी के समक्ष प्रस्तुत करना होगा। व्यवसायिक प्रतिष्ठान अधिनियम के नियम 13के अन्तर्गत ठेकेदार द्वारा बनाया गया रजिस्टर इस उद्देश्य की पूर्ति कर सकेगा। यदि किसी व्यक्ति का नाम उपरोक्त रजिस्टर में नहीं होगा तो वह ठेकेदार द्वारा नियुक्त कर्मचारी नहीं समझा जायेगा।
- (3) किसी भी विद्युत कार्य को प्रारम्भ करने से प्रपत्र सी 7 में अनुरक्षित रजिस्टर में तिथिवार प्रविष्टि की जाएगी। यह रजिस्टर अद्यतन रखा जाएगा तथा विद्युत निरीक्षक अथवा उसके प्रतिनिधि द्वारा मांगे जाने पर उनके समक्ष प्रस्तुत किया जाना होगा।
- (4) ठेकेदार अपने कर्मचारियों द्वारा प्रयुक्त सामग्री की गुणवत्ता एवं किये गये कार्य के लिए स्वयं उत्तरदायी होगा। यदि सप्लाई देने से पूर्व परीक्षण करने पर विद्युत सप्लायर के द्वारा कार्य में कोई त्रुटि पायी जाती है तो ठेकेदार इन कमियों को दूर करने के लिए उत्तरदायी होगा, परन्तु असहमति की दशा में ठेकेदार अथवा सप्लायर द्वारा प्रकरण को विद्युत निरीक्षक, उत्तराखण्ड शासन के पास सन्दर्भित किया जा सकता है, जिसका निर्णय अंतिम व सर्वमान्य होगा।
- (5) किसी ठेकेदार और उसके ग्राहक के बीच किसी प्रकार का विवाद होने की स्थिति में, जो कि ठेके की शर्तों को पूरा करने के सम्बन्ध में हो, किसी भी पक्ष द्वारा, विहित शुल्क का भुगतान कर, मामला विद्युत निरीक्षक, उत्तराखण्ड शासन को सन्दर्भित किया जा सकता है, जिसका निर्णय अंतिम व सर्वमान्य होगा।
- (6) ठेकेदार द्वारा प्रपत्र सी 8 में कार्यपूरक प्रमाणपत्र एवं परीक्षण रिपोर्ट प्रस्तुत की जाएगी। पर्यवेक्षक, जिसके पर्यवेक्षण में कार्य किया गया हो, के हस्ताक्षर के बिना कोई कार्यपूरक प्रमाणपत्र जारी नहीं किया जाएगा।
- (7) विद्युत ठेकेदार द्वारा विद्युत स्थापन कार्य हेतु प्रत्येक ठेका, लिखित रूप में प्रपत्र सी 9 में लिया जाएगा। यह विद्युत निरीक्षक एवं उसके प्रतिनिधियों को निरीक्षण के समय दिखाना होगा।

- (8) ठेकेदार प्रशिक्षुओं को रखकर उन्हें प्रशिक्षण दे सकता है। किसी भी समय प्रशिक्षुओं की संख्या ठेकेदार द्वारा सेवायोजित पर्यवेक्षकों एवं वर्कमैन की कुल संख्या से अधिक नहीं होनी चाहिए। ठेकेदार ऐसे प्रशिक्षुओं को किसी प्रकार के विद्युत स्थापना के कार्य करने की अनुमति नहीं देगा, जिसमें मौजूदा अधिष्ठापन में वृद्धि, परिवर्तन, अनुरक्षण एवं समायोजन सम्मिलित है, सिवाय उन मामलों के जिनमें ऐसे कार्य किसी सक्षमता प्रमाणपत्र प्राप्त पर्यवेक्षक के पर्यवेक्षण में एवं उत्तराखण्ड सरकार के विद्युत निरीक्षक के द्वारा प्रदान किये गये परमिट धारक के सीधे निर्देशन में किया जाए।

निरस्तीकरण

13. उपरोक्त शर्तों के अधीन जारी किया गया लाइसेन्स, निम्नलिखित परिस्थितियों में निरस्त किया जा सकता है :-

- (1) यदि किसी नियम को तोड़ा जाता है।
- (2) यदि ठेकेदार ऐसे व्यक्तियों से कार्य कराता है जिनको परमिट नहीं दिया गया है या ठेकेदार प्रशिक्षुओं की तय संख्या से अधिक को कार्य में लगाता है या यह पाया जाता है कि ठेकेदार द्वारा ऐसे व्यक्ति के पर्यवेक्षण में कार्य कराया गया है जिसके पास सक्षमता प्रमाण पत्र नहीं है।
- (3) यदि ठेकेदार टैस्टिंग उपकरणों को कार्यक्षम दशा में रखने में असफल रहता है।
- (4) यदि ठेकेदार का कार्य त्रुटिपूर्ण और केन्द्रीय विद्युत प्राधिकरण (सुरक्षा तथा विद्युत आपूर्ति सम्बन्धी उपाय) विनियम, 2010 तथा विद्युत कार्यों के लिए भारतीय मानक संहिता के अनुसार नहीं पाया जाता है।
- (5) यदि यह पाया जाता है कि ठेकेदार ने विद्युत स्थापना का कार्य संतोषजनक रूप से नहीं किया है।
- (6) यदि ठेकेदार द्वारा ऐसे कार्य का कार्यपूरक प्रमाणपत्र जारी किया गया है जो कार्य वास्तव में उसके अपने स्टाफ द्वारा नहीं किया गया है।
- (7) यदि ठेकेदार की आर्थिक स्थिति ऐसी हो गयी है जिससे कि वह इन शर्तों के अनुसार अपने दायित्व पूर्ण नहीं कर सकता है।
- (8) यदि ठेकेदार ने उत्तराखण्ड सरकार के विद्युत निरीक्षक को जानबूझ कर गलत सूचनायें दी हैं।

नोट :- लाइसेन्स तब तक निरस्त नहीं किया जाएगा जब तक कि ठेकेदार को उसके लाइसेन्स को निरस्त करने के विरुद्ध कारण बताने का तर्कसंगत अवसर नहीं दिया जाय। परन्तु जाँच जारी रहने के दौरान ऐसा लाइसेन्स विद्युत निरीक्षक द्वारा अपने विवेक पर निलम्बित किया जा सकता है। जहाँ लाइसेन्स के निरस्तीकरण का मामला बनता है, वहाँ बजाय निरस्तीकरण के

विद्युत निरीक्षक द्वारा दण्ड लगाया जा सकता है जो ₹ 5000 से अधिक नहीं होगा।

- (9) इन विनियमों के अधीन जारी किसी आदेश के विरुद्ध अपील राज्य सरकार को निर्धारित शुल्क का भुगतान करने पर की जा सकती है। प्रत्येक अपील के साथ आदेश की एक प्रति होनी चाहिए जिसके विरुद्ध अपील की जा रही है और यह अपील आदेश के दिनांक के 90 दिनों के अन्दर की जानी चाहिए। अपील का निस्तारण प्राप्ति के दिनांक के 90 दिनों के अन्दर किया जाएगा।

- | | | |
|---|-----|---|
| लाइसेन्स की
द्वितीय प्रति | 14. | विहित शुल्क जमा करने और मूल लाइसेन्स के वास्तव में खो जाने, नष्ट हो जाने आदि का प्रमाण प्रस्तुत करने पर लाइसेन्स की द्वितीय प्रति जारी की जायेगी। लाइसेन्स की द्वितीय प्रति के लिए प्रपत्र सी 10 में निर्धारित प्रपत्र में आवेदन करना होगा। |
| अधिन्यास
अथवा
स्थानान्तरण | 15. | लाइसेन्स न तो स्थानान्तरित किया जा सकेगा न ही उत्तराधिकार के रूप में प्राप्त हो सकेगा। किसी फर्म की पार्टनरशिप अथवा स्वामित्व में किसी भी कारण से बदलाव की स्थिति में लाइसेन्स निरस्त कर दिया जायेगा। |
| अन्य राज्य
सरकारों के
द्वारा जारी
लाइसेन्स की
मान्यता के
सम्बन्ध में | 16. | अन्य राज्यों से लाइसेन्सधारक विद्युत ठेकेदारों को कुछ विशेष परिस्थितियों में, कुछ विशिष्ट कार्यों को किए जाने हेतु अनुमति प्रदान की जा सकती है। इस हेतु उन्हें उत्तराखण्ड सरकार के विद्युत निरीक्षक द्वारा अस्थायी लाइसेन्स दिया जा सकता है। इस प्रकार के ठेकेदारों के सम्बन्ध में विद्युत निरीक्षक इन शर्तों में उस सीमा तक छूट प्रदान कर सकता है जहाँ तक न्यायसंगत हो परन्तु राज्य सरकार की अनुमति के बिना शुल्क के विषय में कोई रियायत नहीं दी जा सकती है। |

राज्यपाल की आज्ञा से,
डॉ० उमाकान्त पंवार,
प्रमुख सचिव।

NOTIFICATION

October 10, 2016

No. 742/I/2016-01(03)/10/2003—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 180 of the Electricity Act, 2003 (Central Act 36 of 2003) read with the regulation 29 of the Central Electricity Authority (Measures relating to safety & Electric Supply) Regulations, 2010 and in supersession of all previous notifications and orders, if any, the Government of Uttarakhand hereby makes the following regulations and conditions for the grant of licenses to the electrical contractors :

REGULATIONS AND CONDITIONS FOR THE GRANT OF LICENSE TO ELECTRICAL CONTRACTORS,**2016**

Short title commencement and extend	1	(1) These rule may be called the Regulations and condition for the grant of license to Electrical Contractors, 2016 (2) It shall come into force at once. (3) It shall extend to the whole of Uttarakhand State.
Purpose	2	These conditions regulate the issue and renewal of licenses to electrical contractors, in pursuance of the provisions of regulations 29 of the Central Electricity Authority (Measures relating to Safety and Electric Supply) Regulations, 2010, for execution of electrical installation works.
Classes of license	3	There shall be three classes of Electrical Contractors Licenses 'A', 'B' (scope MV and scope HV) and 'C' which shall be granted by the Electrical Inspector to Government of Uttarakhand, in form specified in 'C2', 'C3' and 'C4' respectively and shall be subject to conditions printed thereon.
Scope	4	A contractor holding 'A' class license shall be eligible to carry out electrical installation works of Low, Medium, High and Extra High voltage installations throughout the state. A contractor holding 'B' class license, with scope MV shall be eligible to carry out electrical installation works of Low and Medium voltage installations (i.e. upto and including 650 Volts) throughout the state, and a contractor holding 'B' class license, with scope HV shall be eligible to carry out electrical installation works of Low, Medium and High voltage installations (upto and including 11000 Volts) throughout the state. A contractor holding 'C' class license shall be eligible to carry out only Low Voltage installation works upto 250 Volts within the district for which the license is granted to him.

Requirements

5

The minimum requirement of turnover/stock and staff etc. for each class of license shall be

Class	Turnover/Stock	Staff	Tools & appliances
"A"	Turnover/stock of Erection/wiring material and accessories worth ₹ 3,00,000	One supervisor holding a class-A certificate of competency and two workmen holding class-A permits issued by the Electrical Inspector to Govt., Uttarakhand, when the work is confined to one district only. If the work is undertaken simultaneously in more than one district an additional class -A permit holder workman shall be employed for each district. Applicant or the supervisor employed should have sufficient knowledge of operation/ erection of high voltage installations.	<ol style="list-style-type: none"> Insulation Tester (A) 5000 V or 2500 V (B) 1000 V (C) 500 V <ol style="list-style-type: none"> Portable voltmeter AC/DC, Range 0 to 600 V Portable Ammeter AC/DC, Range 0 to 60 A Or Tong Tester - 0-600 Volts, 0-500 A Earth tester with testing accessories Phase sequence meter <p>Safety Tools and Equipments</p> <ol style="list-style-type: none"> Rubber Hand gloves tested to 15 kV (Electrical grade) Wire gauge or micrometer Safety belt Crimping tool Torque wrench spanner Chain pulley One number Neon tester/ Phasing rods Earthing rods
"B" Scope MV	Turnover/stock of Erection/Wiring material and accessories worth ₹ 50,000	One supervisor holding certificate of competency and one workman holding permit issued by the Electrical Inspector to Govt. Uttarakhand, when the work is confined to one district only. If work is simultaneously undertaken in more than one district one additional permit holder workman shall be employed for each district.	<ol style="list-style-type: none"> Insulation Tester 500 V <ol style="list-style-type: none"> Portable voltmeter AC/ DC, Range 0 to 600 V Portable Ammeter AC/DC, Range 0 to 60 A Or Tong Tester - 0-600 Volts, 0-100 A Earth tester with testing accessories
"B"	Turnover / stock	One supervisor holding	1. Insulation Tester

Scope HV	of Erection/ Wiring material and accessories worth ₹ 2,00,000	class-A certificate of competency, and two workmen, out of which at least one holding class-A permit issued by the Electrical Inspector to Govt., Uttarakhand when the work is confined to one district only. If work is simultaneously undertaken in more than one districts one additional class-A permit holder workman shall be employed for each district.	(A) 2500 V (B) 500 V 2. (A) Portable voltmeter AC/DC, Range 0 to 600 V (B) Portable Ammeter AC/DC, Range 0 to 60 A Or Tong Tester- 0-600 Volts, 0-500 A 3. Earth tester with testing accessories 4. Phase sequence meter Safety Tools and Equipments (A) Rubber Hand gloves tested to 15 kV (Electrical grade) (B) Safety belt (C) Crimping tool (D) Torque wrench spanner (E) Chain pulley (F) Phasing rods/One number Neon tester (G) Earthing rods
"C"	Nil	One workman holding at least class-B permit issued by the Electrical Inspector to Govt., Uttarakhand	Insulation Tester 500 volts

N.B. (1) Only those materials and accessories which conform to the Indian standard specifications wherever these exist or in their absence such materials as are approved by the Electrical Inspector to Government, Uttarakhand for the purpose, shall be taken into account for valuation of the stock.

(2) If the contractor himself holds a certificate of competency he need not employ a supervisor if he can himself directly supervise the work. He must however, employ required number of permit holder workmen to do the work even if he himself holds a workman's permit. (Except in case of a "C" class license where if the contractor holds a workman permit he need not to employ additional permit holder.) Relaxation regarding employment of certificate holder supervisor and permit holder workman shall only be granted to the contractor if he has employed staff possessing qualification essential for grant of supervisor certificate and workman permit and in any case the contractor has to submit the certificate and permit, as the case may be, of such staff within three months of getting the license. But during this period the contractor shall not issue work completion certificate of any electrical installation work.

- (3) The Electrical Inspector to Government, Uttarakhand may grant relaxation in respect of requirements of testing instruments, except megger, in suitable cases.
- (4) "A" class license shall be granted to a contractor if the contractor or the supervisor employed has sufficient knowledge of operation/erection of high voltage installations, protection and safety measures which shall be tested by the experience certificates/details of works done with completion reports and/or by means of a practical and/or oral test.

**General
Conditions
for Grant of
Electrical
Contractors
Licenses**

6 (1) A License may be granted on application to any applicant satisfying the following conditions, namely :-

- (A) The applicant must be a citizen of India.
- (B) The applicant must have attained the age of 21 years as on the date of application and has passed eighth standard examination.
- (C) If the license is sought for a partnership firm, the firm must have registered with the Registrar of Firms or if the license is sought for a registered company the same must have registered with Registrar of Companies. In case of a partnership firm all the partner of the firm and in case of a registered company not less than two third of total number of Directors may resolve and issue an authorization letter to the authorized signatory to sign the application, completion report, etc. on behalf of the firm or company as the case may be, the authorization letter shall be on Rs. 100/- stamp paper.

(2) The license shall not, however, be granted to:-

- (A) A person holding a certificate of competency or a workman's permit issued by the Electrical Inspector to Government of Uttarakhand who is in the employment of an Electrical contractor, Government department, a local authority, any educational or technical institution, any other person or company unless he undertakes to leave the the service of his employer and work independently.
- (B) A person or a company whose license was cancelled under these conditions within three years of the date of his application for a new license. Provided that if in the opinion of the Electrical Inspector to Government of Uttarakhand the reason for the cancellation of the license were technical and not serious, he may in his discretion grant a fresh license after the applicant pays an additional fees of ₹ 1500.

(3) Electrical Contractors Licenses issued under previous notifications and orders shall be renewed subject to fulfillment of the conditions under which they were granted up to a maximum period of two years only, from the date of notification of these regulations and thereafter their renewal shall be subject to the fulfillment of these conditions. Afterwards all such license holders shall have to get converted their licenses to the classes as prescribed under these regulations.

(4) In respect of requirements of supervisor class A and workman class A relaxation shall be granted for a period of two years from the date of notification and during the relaxation period supervisor in place of supervisor class A and wireman in place of workman class A shall be accepted.

Application
for License

7. An application for the grant of license shall be made to the Electrical Inspector, in form C1. Every application form shall be accompanied by the following, namely :-

- (1) Original treasury challan for having remitted the requisite fee as detailed in regulation 10.
- (2) Two Specimen signature and two recent photographs (2.5 cm x 3.5 cm) clearly showing the complete face and two ears of the applicant. The specimen signature and the photograph shall be got attested by the designated jurisdictional officer of the Electrical Inspectorate or by the notary.
- (3) Any of the photo identity proof of the applicant such as Ration card, passport, voters identity card, Driving license, Aadhar card.
- (4) Proof of the address of business premises i.e. copy of rental agreement along with the latest tax paid receipt or an affidavit sworn before the Notary.
- (5) If the license is sought for a partnership firm a copy of the registered partnership deed and the Registration certificate issued by the Registrar of Firms, if the license is sought for a registered company copy of the memorandum and Articles of Association approved by the Registrar of Companies and authorization letter in original issued to the authorized signatory by the partnership firm or company as the case may be.
- (6) Copies of purchase voucher or test/calibration certificates of testing instruments, safety tools and equipments.
- (7) Copies of educational qualification along with the proof of age.

(8) Details of the work done along with the copies of the completion certificate of EHV/HV installation works and copies of registration certificates with trade tax/service tax, in case of Class A license.

(9) Consent letters obtained from Supervisors and Workmen.

Grant of
license

8. A license shall be granted by the Electrical Inspector after satisfying himself by inspection carried out by him or by his representatives that the requisites under these conditions are being fulfilled. If, however, inspection is not possible, within one month of the receipt of an application, the Electrical Inspector may in his discretion issue on receipt of license fee a provisional license which shall be subsequently confirmed or cancelled as the case may be on the result of the inspection.

Change of
Class of
license

9. Application for change of class of license from 'C' class to 'B' class scope MV, 'B' class scope MV to 'B' class scope HV and 'B' class scope HV to 'A' class may be made during the currency of license on payment of the prescribed fee for new class. If inspection is not possible within 30 days of receipt of the application, the Electrical Inspector may at his discretion, issue a provisional license, which will be subsequently confirmed or cancelled, as the case may be on the result of the inspection.

Renewal of
license

10. Every Electrical Contractor's license granted under these Regulations shall be renewed annually at the request of the licensee, subject to satisfying the conditions detailed below, namely:-

(1) (A) Application for renewal, in form C5 together with the license and treasury challan showing that the requisite renewal fee has been deposited shall be submitted to the Electrical Inspector, 03 clear months before the date of expiry of the license but not before 06 clear months.

(B) If any contractor fails to do so, his application for renewal may be entertained by the Electrical Inspector on payment of prescribed late fee in addition to the renewal fee, as detailed in Regulation 10, provided the application, the license and the treasury challan are received in his office within 30 days after the date of expiry of the license. Application received after the due date is liable for rejection, fee remitted if any shall deemed to have been forfeited.

(2) All the applications received shall be scrutinized. If the application is found not fully in accordance with these regulations, the same shall be intimated to the applicant to fulfill the conditions giving at least fifteen days time. If the objected application is not resubmitted or submitted after the period or date fixed or submitted with incomplete information or particulars, is liable for rejection and fee remitted will be forfeited.

(3) An electrical contractor shall present for inspection, the following before Electrical Inspector or his representatives:-

- (A) Consent letters obtained from the staff.
- (B) A list of stock held showing valuation/Auditor's report.
- (C) Register of contracts in Form C7.
- (D) Register of staff.
- (E) Instruments / tools. (Or a test or calibration report shall be presented)

The date of inspection shall be duly notified to the contractors at least 15 days in advance. However if a contractor does not receive an intimation for inspection within one month from the date of receipt of his application for renewal he may present for inspection, the details, records as required by these conditions and Instruments/tools(Or a test or calibration report) before the Electrical Inspector at his office.

Provided that no inspection for renewal shall be carried out after two months from the date of expiry of the license.

Fees

11 The following fees shall be levied under these conditions :-

Description	Class "C"	Class "B" Scope MV	Class "B" Scope HV	Class "A"
License Fee	₹ 2000	₹ 2500	₹ 4000	₹ 5000
Fees for inspection for contractors records/stock/premises etc. whether initial, subsequent, annual or at the request of the contractor.	₹ 500	₹ 1000	₹ 2000	₹ 2500
Renewal Fee	₹ 500	₹ 500	₹ 500	₹ 500
Late Fee for every week or part thereof	₹ 70	₹ 80	₹ 150	₹ 175
Fee for settlement of dispute	₹ 500	₹ 1000	₹ 1500	₹ 2000
Fee for making appeal	₹ 2000	₹ 2000	₹ 2000	₹ 2000
Fee for duplicate copy of license	₹ 600	₹ 600	₹ 600	₹ 600

Fees shall be subject to revision by the government from time to time.

Note :-

All fees shall be paid in advance, it shall be deposited in the State Bank of India or in a Government Treasury, where there is no branch of the State

Bank of India under the appropriate head of accounts. Forms with heads of accounts printed thereon which are to be utilized for making the deposit can be obtained from the office of the Electrical Inspector to Government of Uttarakhand, Zonal Offices of the Assistant Electrical Inspector to Government of Uttarakhand. No refund will ordinarily be allowed but Government may relax this provision in individual cases where considered necessary.

Licensee to
abide by the
conditions

12

Every licensee shall abide by the provisions of the Electricity Act, 2003, rules and regulations made there under, Central Electricity Authority (Measures relating to Safety and Electric Supply) Regulations, 2010 and these regulations and shall produce their License, upon demand by officers of the Electrical Inspector or to any authorities of the supplier having jurisdiction over the area where the electrical installation work as being carried out, in addition to the conditions detailed below.

(1) The contractor shall submit the following returns and information to the Electrical Inspector to Government of Uttarakhand

(A) Returns twice a year in the form C6 on or before the 15th July and 15th January each year.

(B) Information regarding any change which occurs in the staff within a fort night of the date from which the change takes place

(2) The contractor shall maintain a register giving information about the employment of supervisor/supervisors, workman/workmen and apprentices which shall be put up before the inspecting officer at the time of inspection. The register maintained by the contractor for the purpose of Rule 13 of shop and Commercial Establishment Act will serve the purpose of this condition. A person whose name is not entered in such register shall not be considered to be the bonafide employee on the contractor's staff.

(3) Before starting any electrical installation work, entry will be made date wise in a register, which will be maintained in the form C7. This register will be kept up to the date and produced for inspection when ever required by the Electrical Inspector or his representatives.

(4) The contractor shall be personally responsible for the quality of all the materials used and for the work carried out by his employees. If the work is found to be defective by the electricity supplier on testing the installation before giving supply, the contractor shall be responsible for removing or rectifying the defect, but in case of disagreement the matter may be referred by the contractor or the electricity supplier to the Electrical Inspector to Government of Uttarakhand, whose decision shall be final and binding.

- (5) In case of any dispute between any contractor and his customer regarding fulfillment of the contract, the matter may be referred by the either party on payment of the prescribed fee, to the electrical Inspector to Government of Uttarakhand, whose decision shall be final and binding.
- (6) The contractor shall furnish work completion cum test report in form C8. No completion certificate for any work shall be given unless the same has been signed by supervisor under whose direct supervision the work was carried out.
- (7) Every contract for electrical installation work undertaken by the contractor shall be in writing in the form specified in Form C9. It shall be open on inspection by the Electrical Inspector or his representatives.
- (8) A contractor may engage apprentices for training purpose. The total number of apprentices employed at any time shall not exceed the number of workmen and supervisors employed at that time. The contractor shall not permit such apprentices to carry out any electrical installation work including additions, alterations, repairs and adjustments to existing installations except under the direct supervision of a person holding a certificate of competency and under the direct guidance of a workman holding a permit issued by the Electrical Inspector to Government of Uttarakhand.

Cancellation — 13 A license granted under these conditions may be cancelled in the following circumstances:-

- (1) If breach of any condition is committed.
- (2) If the contractor is found to execute an Electrical installation work through unlicensed workman or found to employ more number of apprentices than permitted under these conditions or is found not to have got the work carried out under the direct supervision of a person holding a certificate of competency.
- (3) If the contractor fails to keep the testing instruments in order.
- (4) If the contractor is found to have carried out works which were defective and not in accordance with the provisions of the Central Electricity Authority (Measures relating to Safety and Electric Supply) Regulations, 2010 and the Indian standard code of practice for electrical installation works.
- (5) If it is found that the contractor is not carrying out electrical installation work satisfactorily.

- (6) If the contractor signs and submits to the Electricity supplier completion certificates of work which have not actually been done by his own staff.
- (7) If the financial position of the contractor has become such that he is unable to carry out his obligations under these conditions.
- (8) If the contractor has knowingly furnished wrong information to the Electrical Inspector to Govt., Uttarakhand.

Note:- The license shall, however, not be cancelled unless the contractor has been given a reasonable opportunity to show cause against the action for cancellation of the license.

But it may be suspended at the discretion of the Electrical Inspector during the pendency of the enquiry. Where a case for the cancellation of the license is made out, the Electrical Inspector may instead of cancelling the license impose a fine not exceeding ₹ 5000/-

- (9) An appeal against an order served under these regulations shall lie to the State Government, on payment of prescribed fee. Every appeal shall be accompanied by a copy of the order appealed against and shall be made within 90 days from the date of the order appealed against. An appeal shall be disposed off within 90 days from the date of receipt of the appeal.

- | | | |
|--|-----------|---|
| Duplicate copy of license | 14 | A duplicate copy of the license will be issued on payment of the prescribed fee and on furnishing proof of the loss, damage etc. of the original license. Application for this purpose shall be made in form C10. |
| Assignment or Transfer | 15 | The license is neither transferable nor inheritable. In case of any change in the ownership or partnership of the firm at any time for any reason whatsoever, the license shall stand cancelled. |
| Recognition of license issued by the other State Governments | 16 | Electrical contractors holding license valid in other states may be allowed, under special circumstances, to carry out specified work or works in this state. A temporary license will be issued to them for the purpose by the Electrical Inspector to Govt., Uttarakhand. In the case of such contractors the Electrical Inspector may relax so much these conditions as may appear justifiable, but no relaxation in the matter of payment of fees shall be made without the approval of Government. |

By Order of the Governor,

Dr. UMAKANT PANWAR,

Principal Secretary.



सरकारी गजट, उत्तराखण्ड

उत्तराखण्ड सरकार द्वारा प्रकाशित

रुड़की, शनिवार, दिनांक 29 अक्टूबर, 2016 ई0 (कार्तिक 07, 1938 शक सम्वत्)

भाग 1-क

नियम, कार्य-विधियां, आज्ञाएं, विज्ञप्तियां इत्यादि जिनको उत्तराखण्ड के राज्यपाल महोदय, विभिन्न विभागों के अध्यक्ष तथा राजस्व परिषद् ने जारी किया

HIGH COURT OF UTTARAKHAND, NAINITAL

NOTIFICATION

September 26, 2016

No. 251/UHC/Admin.A/2016--Hon'ble Justice Shri Rajiv Sharma, has assumed charge of office of Judge of the Uttarakhand High Court on **26th September, 2016 at 10:15 A.M. vide Notification No. K-11017/50/2016-US.II, dated 15.09.2016** issued by Government of India, Ministry of Law & Justice (Department of Justice).

Sd/-

NARENDRA DUTT,

Registrar General.

NOTIFICATION

September 30th, 2016

No. 255/XIV-a/51/Admin.A/2015--Ms. Manju Devi, 1st Additional Civil Judge (Jr. Div.), Haldwani, District Nainital is hereby sanctioned medical leave for 13 days w.e.f. 01.09.2016 to 13.09.2016.

NOTIFICATION

September 30th, 2016

No. 256/UHC/XIV/a-41/Admin.A/2008--Smt. Kahkasha Khan, District & Sessions Judge, Chamoli is hereby sanctioned earned leave for 31 days w.e.f. 16.08.2016 to 15.09.2016 with permission to prefix 13th, 14th & 15th August, 2016 as public holidays.

NOTIFICATION

October 05, 2016

No. 257/UHC/XIV-a/37/Admin.A/2016--Ms. Soniya, 1st Additional Civil Judge (Jr. Div.), Roorkee, District Hardwar, presently Trainee at UJALA, Bhowali, District Nainital is hereby sanctioned medical leave for 19 days w.e.f. 29.08.2016 to 16.09.2016.

NOTIFICATION

October 05, 2016

No. 258/UHC/XIV-a-59/Admin.A/2012—Ms. Payal Singh, Civil Judge (Jr. Div.), Hardwar is hereby sanctioned child care leave for 15 days w.e.f. 13.09.2016 to 27.09.2016, in terms of Office Memorandum No. 11/XXVII(7)34/2011, dated 30.05.2011 issued by Government of Uttarakhand.

By Order of Hon'ble the Administrative Judge,

Sd/

Registrar (Inspection).

कार्यालय सहायक सम्भागीय परिवहन अधिकारी, रुद्रप्रयाग आदेश

04 अक्टूबर, 2016 ई0

संख्या 703/प्रवर्तन/लाइसेन्स/2016—श्री जितेन्द्र सिंह पुत्र श्री सत्यपाल सिंह, ग्राम बंशी, पो0 सौराखाल, जिला रुद्रप्रयाग का दिनांक 24.06.2016 को ए0आर0टी0ओ0, टिहरी के द्वारा वाहन संख्या यू0ए0 09-5796(मैक्सी कैब), का ओवर लोडिंग व विभिन्न अभियोग में चालान किया गया। जिसके क्रम में ए0आर0टी0ओ0, टिहरी द्वारा चालक के चालन अनुज्ञप्ति संख्या यू0के0 1320140005437, जो कि इस कार्यालय द्वारा क्रमशः MCWG(NT), LMV(NT), LMV(T) व पहाड़ी मार्गों हेतु जारी किया गया था। जिसकी वैधता क्रमशः 17.06.2014 (अव्यवसायिक) व 22.07.2018 (व्यवसायिक) तक है, के विरुद्ध निरस्तीकरण/निलम्बन की संस्तुति की गयी है। इस सम्बन्ध में कार्यालय द्वारा पत्रांक 676/डी0एल0/सा0प्रशा0/2016, दिनांक 27.09.2016 के माध्यम से श्री जितेन्द्र सिंह पुत्र श्री सत्यपाल सिंह, ग्राम बंशी, पो0 सौराखाल, जिला रुद्रप्रयाग को नोटिस प्रेषित किया गया था। लेकिन इनके द्वारा कोई उत्तर प्राप्त नहीं हुआ।

अतः, दुर्घटनाओं पर अंकुश लगाने व जनसुरक्षा को ध्यान में रखते हुए, मैं, पंकज श्रीवास्तव, लाइसेंसिंग अधिकारी, रुद्रप्रयाग, मोटर वाहन अधिनियम, 1988 की धारा 19 के अन्तर्गत प्रदत्त अधिकारों का प्रयोग करते हुए, आपके लाइसेंस संख्या यू0के0 1320140005437 (वैधता उपरोक्त) को दिनांक 04.10.2016 से 03.01.2017 तक तत्काल प्रभाव से निलम्बित करता हूँ।

आदेश

04 अक्टूबर, 2016 ई0

संख्या 704/प्रवर्तन/लाइसेन्स/2016—श्री अनोज पुत्र श्री गजपाल सिंह ग्राम व पो0 कण्डारा, जिला रुद्रप्रयाग का दिनांक 03.08.2016 को पुलिस विभाग, रुद्रप्रयाग द्वारा वाहन संख्या यू0के0 13टी0ए0-0537 (मैक्सी कैब), का शराब का सेवन कर वाहन संचालन करने के अभियोग में चालान किया गया। जिसके क्रम में पुलिस अधीक्षक, रुद्रप्रयाग द्वारा चालक के चालन अनुज्ञप्ति संख्या यू0के0 1320120002443, जो कि इस कार्यालय द्वारा क्रमशः MCWG(NT), LMV(NT), LMV(T) व पहाड़ी मार्गों हेतु जारी किया गया था। जिसकी वैधता क्रमशः 17.06.2032 (अव्यवसायिक) व 12.08.2016 (व्यवसायिक) तक है, के विरुद्ध निरस्तीकरण/निलम्बन की संस्तुति की गयी है। इस सम्बन्ध में कार्यालय द्वारा पत्रांक 677/डी0एल0/सा0प्रशा0/2016, दिनांक 27.09.2016 के माध्यम से श्री अनोज पुत्र श्री गजपाल सिंह ग्राम व पो0 कण्डारा, जिला रुद्रप्रयाग को नोटिस प्रेषित किया गया था। लेकिन इनके द्वारा कोई उत्तर प्राप्त नहीं हुआ।

अतः, दुर्घटनाओं पर अंकुश लगाने व जनसुरक्षा को ध्यान में रखते हुए, मैं, पंकज श्रीवास्तव, लाइसेंसिंग अधिकारी, रुद्रप्रयाग, मोटर वाहन अधिनियम, 1988 की धारा 19 के अन्तर्गत प्रदत्त अधिकारों का प्रयोग करते हुए, आपके लाइसेंस संख्या यू0के0 1320120002443 (वैधता उपरोक्त) को दिनांक 04.10.2016 से 03.01.2017 तक तत्काल प्रभाव से निलम्बित करता हूँ।

आदेश

04 अक्टूबर, 2016 ई०

संख्या 706/प्रवर्तन/लाइसेन्स/2016—श्री सूरज कुमार पुत्र श्री कुन्दीलाल, ग्राम व पो० कुरझन, जिला रुद्रप्रयाग का दिनांक 03.06.2016 को पुलिस विभाग, चमोली द्वारा वाहन संख्या यू०के० 07टी०ए०-6063 (मैक्सी कैब), का शराब का सेवन कर वाहन संचालन करने के अभियोग में चालान किया गया। जिसके क्रम में पुलिस अधीक्षक, चमोली द्वारा चालक के चालन अनुज्ञप्ति संख्या यू०के० 1320120001644, जो कि इस कार्यालय द्वारा क्रमशः MCWG(NT), LMV(NT), LMV(T) व पहाड़ी मार्गों हेतु जारी किया गया था। जिसकी वैधता क्रमशः 06.01.2032 (अव्यवसायिक) व 20.11.2017 (व्यवसायिक) तक है, के विरुद्ध निरस्तीकरण/निलम्बन की संस्तुति की गयी है। इस सम्बन्ध में कार्यालय द्वारा पत्रांक 678/डी०एल०/सा०प्रशा०/2016, दिनांक 27.09.2016 के माध्यम से श्री सूरज कुमार पुत्र श्री कुन्दीलाल, ग्राम व पो० कुरझन, जिला रुद्रप्रयाग को नोटिस प्रेषित किया गया था। लेकिन इनके द्वारा कोई उत्तर प्राप्त नहीं हुआ।

अतः, दुर्घटनाओं पर अंकुश लगाने व जनसुरक्षा को ध्यान में रखते हुए, मैं, पंकज श्रीवास्तव, लाइसेंसिंग अधिकारी, रुद्रप्रयाग, मोटर वाहन अधिनियम, 1988 की धारा 19 के अन्तर्गत प्रदत्त अधिकारों का प्रयोग करते हुए, आपके लाइसेंस संख्या यू०के० 1320120001644 (वैधता उपरोक्त) को दिनांक 04.10.2016 से 03.01.2017 तक तत्काल प्रभाव से निलम्बित करता हूँ।

पंकज श्रीवास्तव,

प्र० सहायक सम्भागीय परिवहन अधिकारी,

रुद्रप्रयाग।



सरकारी गजट, उत्तराखण्ड

उत्तराखण्ड सरकार द्वारा प्रकाशित

रुड़की, शनिवार, दिनांक 29 अक्टूबर, 2016 ई0 (कार्तिक 07, 1938 शक सम्वत्)

भाग 8

सूचना एवं अन्य वैयक्तिक विज्ञापन आदि

सूचना

मैं वरुण अग्रवाल सूचित करता हूँ कि मेरा घर का नाम हर्ष अग्रवाल भी है। मुझे दोनों ही नाम से पुकारा जाता है।

समस्त विधिक औपचारिकताएँ मेरे द्वारा पूर्ण कर ली गई हैं।

वरुण अग्रवाल पुत्र आलोक अग्रवाल,
क्यू-26, शिवालिकनगर (भेल), हरिद्वार,
हाल निवासी-एस-340, शिवालिकनगर
(बी0एच0ई0एल0), हरिद्वार।

सूचना

मेरे पिता का नाम पेन कार्ड एडब्लूक्यूपीएन 5132एन में भूलवश राजेन्द्र मोहन नौटियाल हो गया है, जबकि उनका सही और सत्य नाम राजेन्द्र नौटियाल है।

समस्त विधिक औपचारिकताएँ मेरे द्वारा पूर्ण कर ली गई हैं।

हिमांशु नौटियाल पुत्र राजेन्द्र नौटियाल,
निवासी कैलाश गेट, ऋषिकेश।

पी0एस0यू0 (आर0ई0) 44 हिन्दी गजट/511-भाग 8-2016 (कम्प्यूटर/रीजियो)।

मुद्रक एवम् प्रकाशक-अपर निदेशक, राजकीय मुद्रणालय, उत्तराखण्ड, रुड़की।